राघव चड्ढा के साथ भाजपा में गए संदीप पाठक पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, पंजाब में 2 एफआईआर

नई दिल्ली, (एजेंसी) आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय करने के बाद राज्यसभा सांसदों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पंजाब में इन सांसदों के खिलाफ लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। राघव चड्ढा के साथ भाजपा में जाने वाले सांसद संदीप पाठक के खिलाफ भी पंजाब सरकार ऐक्शन में है। उनके खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें गैर-जमानती धाराओं को भी शामिल किया गया है। सूत्रों का कहना है कि यह कार्रवाई आप से भाजपा में जाते ही शुरू हो गई थी। सूत्रों के अनुसार, ये FIR पंजाब के दो जिलों में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और भ्रष्टाचार के मामलों में दर्ज की गई हैं। अब उनपर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है।

सांध्य दैनिक

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 285 | इंदौर, शनिवार 02 मई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने अपने जन्मदिन को समाजसेवा और श्रम के सम्मान को समर्पित करते हुए अनूठे अंदाज में मनाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर डॉ सोलंकी ने पूरा दिन श्रमदान, जनसहभागिता और ग्रामीण विकास कार्यों में बिताकर समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश दिया।

प्रातःकाल उन्होंने अपने पैतृक ग्राम में माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात वे सीधे खेतों में पहुंचे, जहां उन्होंने दर्जनों किसानों के साथ अपनी बैल जोड़ी से स्वयं हल चलाकर श्रमदान किया। यह दृश्य ग्रामीण जीवन, किसान संस्कृति और श्रम के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। सांसद ने कहा कि धरती से जुड़कर किया गया श्रम ही जीवन का वास्तविक आधार है और यही भारत की आत्मा है।

इसके उपरांत वे ग्राम अंबापानी एवं ठान पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर विभिन्न विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने तालाब गहरीकरण, सफाई अभियान और अन्य श्रम कार्यों में स्वयं श्रम करते हुए लोगों को श्रमदान के लिए प्रेरित किया। उनके इस प्रयास से बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा और महिलाएं भी जुड़ीं और पूरे उत्साह के साथ श्रमदान में भाग लिया।

मजदूर दिवस के अवसर पर सांसद ने श्रमिकों का सम्मान करते हुए उन्हें मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि श्रमिक समाज की रीढ़ हैं और उनके परिश्रम से ही देश का विकास संभव होता है। उन्होंने श्रमिकों के योगदान को नमन करते हुए समाज में उनके सम्मान को बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सांसद डॉ. सोलंकी ने कहा कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसरों को समाजहित में समर्पित करना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे भी अपने जीवन के विशेष अवसरों को समाज के कल्याण के लिए उपयोग में लाएं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

उन्होंने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता, श्रम सम्मान और आत्मनिर्भरता के अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं ने देश में जनभागीदारी की नई भावना विकसित की है। साथ ही मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार के नेतृत्व में डॉ मोहन यादव जी द्वारा संचालित विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों ने सांसद के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे अत्यंत प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि जब स्वयं श्रम करके उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तो समाज में नई ऊर्जा और जागरूकता का संचार होता है।

सांसद डॉ. सोलंकी का यह कार्य न केवल श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह समाज में सेवा, सहयोग, समानता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ करता है। यह पहल निश्चित रूप से क्षेत्र के लोगों को समाजहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी।

शादी में गई मां, बेटे ने साफ कर दी अलमारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। चोरी की दो अलग-अलग घटनाओं ने सनसनी फैला दी। विजयनगर इलाके में एक बुजुर्ग महिला ने अपने ही बेटे पर घर से नकदी और जेवर चोरी करने का आरोप लगाया है, वहीं राजेंद्र नगर में बदमाश फ्लैट से दो छात्रों के लैपटॉप चुराकर फरार हो गए। विजयनगर थाना क्षेत्र के न्यू शीतल नगर में रहने वाली लक्ष्मीबाई (65) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि 28 अप्रैल की शाम वह एक शादी समारोह में गई थीं। वापस लौटने पर घर का गेट खुला मिला और अलमारी की चाबी भी लगी हुई थी। जांच करने पर करीब 65 हजार रुपए नकद, सोने-चांदी के आभूषण और बेटी रेणुका व उसके बच्चों के जरूरी दस्तावेज गायब मिले। महिला ने आरोप लगाया कि उसका बेटा जितेंद्र खोजे ही घर का ताला तोड़कर यह सामान ले गया। घटना के समय घर में उसका दूसरा बेटा भी मौजूद था। पुलिस के मुताबिक आरोपी जितेंद्र का एक शादीशुदा महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसी के चलते वह पहले भी घर में चोरी जैसी हरकत कर चुका है। बेटे की इन हरकतों से परेशान होकर मां ने गुरुवार को उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। एक अन्य मामले में राजेंद्र नगर इलाके में बदमाशों ने एक फ्लैट को निशाना बनाया। उज्ज्वल सरैया और उसका दोस्त कुनाल नेगी, जो बीटेक के छात्र हैं, किराए के फ्लैट में रहते हैं। रात 3 बजे तक पढ़ाई करने के बाद सुबह जल्दबाजी में दरवाजा खुला रह गया। इसी दौरान चोर फ्लैट में घुसे और दोनों के लैपटॉप चोरी कर ले गए।

इंदौर में 19 किलो का कमर्शियल गैस सिलिंडर 993 रुपए महंगा, 3179 में मिलेगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम में एक मई से भारी बढ़ोतरी की है। 19 किलों वाले कमर्शियल सिलिंडर की कीमत 993 रुपये की बढ़ोतरी हुई। अब इंदौर में यह सिलिंडर 3179 रुपये में मिलेगा। पहले ही सिलिंडर की कमी से जूझ रहे होटल-रेस्टोरेंट संचालकों के लिए यह महंगाई का एक बड़ा झटका है, जबकि घरेलू गैस सिलिंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है।

कमर्शियल गैस सिलिंडर के कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और एक मई को इसमें बड़ी बढ़ोतरी की गई। अब तक 2186 रुपये में मिल रहा 19 किलो का कमर्शियल गैस सिलिंडर अब 3179 रुपये में मिलेगा। कमर्शियल गैस सिलिंडर की कमी पहले से बनी हुई है और शहर के छह हजार

के करीब होटल और रेस्टोरेंट परेशानी से जूझ रहे हैं। अब कीमत में बड़ी बढ़ोतरी होने से लागत बढ़ेगी और इसका असर आमजन पर पड़ेगा। छोटे दुकानदारों के लिए व्यवसाय करना अब और मुश्किल होने वाला है। 19 किलो के कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम बीते दो माह में चार बार बढ़े हैं और इसमें 1344 रुपये की बढ़ोतरी हुई। एक मई को 993 रुपये दाम बढ़े हैं। इससे पहले एक अप्रैल को भी 19 किलो के गैस सिलिंडर के दाम में 196 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। मार्च में यह सिलिंडर 1990 रुपये में मिल रहा था। वहीं 7 मार्च को कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम में 115 रुपये और एक मार्च को 40 रुपये बढ़ाए गए थे। कमर्शियल एलपीजी सिलिंडरों के दाम बढ़ाए जाने के अलावा पांच किलोग्राम गैस सिलिंडर के दाम भी बढ़े हैं। इसमें यह सिलिंडर अब 241 रुपये महंगा मिलेगा। एफटीएल (मुक्त व्यापार एलपीजी) सिलिंडर 1753 रुपये में मिलेगा, जो अब तक 1512 में मिल रहा था। वहीं अन्य पांच किलो का 879 रुपये में मिलेगा, जो अब तक 638 रुपये में मिल रहा था। एफटीएल सिलिंडर का उपयोग मुख्य रूप से छोटे प्रतिष्ठानों और सीमित व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

पब और रेस्त्रां में ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो पैडलर गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने मादक पदार्थ की सप्लाई करने वाले दो पैडलर को पकड़ा है। इनके द्वारा सप्लाई की ड्रग्स की पबों और रेस्त्रां में सप्लाई होती थी। पुलिस ने 129 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। पुलिस का दावा है कि जब्त ब्राउन शुगर की कीमत 1 करोड़ 29 लाख रुपये है।

डीसीपी जोन-3 राजेश व्यास के अनुसार पुलिस ने आरोपित शिवम सोनी उर्फ सिन्नी पुत्र राजू सोनी निवासी महेश यादव नगर और अभिषेक पुत्र मनोहरसिंह तोमर निवासी न्यू गोविंद नगर को पकड़ा है। डीसीपी के अनुसार आरोपित लंबे समय से मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त कर रहे थे। दो दिन पूर्व भागीरथपुरा चौकी प्रभारी विजय सनोड़िया ने दोनों आरोपितों को एमआर-4 से ड्रग्स के साथ पकड़ लिया। आरोपितों ने 70 पुड़िया बना ली थी। पूछताछ में पता चला आरोपित ड्रग्स की अजू और साहिल के माध्यम से विजयनगर और लसूड़िया क्षेत्र में पबों में सप्लाई करते है। पुलिस ने अजू की तलाश में दबिश दी पर वह फरार हो गया। शिवम सोनी का राजस्थान के ड्रग्स माफिया से कनेक्शन मिला है।

शादी समारोह में जा रहे दोनों भाई हादसे का शिकार

एक भाई की मौके पर मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नेमावर रोड क्षेत्र में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे दो भाई सड़क हादसे का शिकार हो गए। आगे चल रहे एक भारी वाहन से उनकी बाइक टकरा गई और दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में मौके पर एक भाई की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हुआ है। घटना नेमावर रोड की है। 25 साल का जुनैद अपने भाई अनस के साथ बाइक पर शादी समारोह में जा रहा था। उनकी बाइक की स्पीड तेज थी। ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक आगे चल रहे एक भारी वाहन से टकरा गई। दोनों भाई बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। इस बीच पीछे से आ रहे मिनी ट्रक ने जुनैद को कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अनस को लोगों ने उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जिस वाहन से बाइक टकराई थी, वह भाग गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन की जानकारी जुटा रही है। गुरुवार रात को पलासिया थाने की बाउंड्री वॉल से एक सफेद रंग की कार टकरा गई। कार में दो युवक सवार थे। घटना के बाद कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन जब तक थाने से पुलिसकर्मी आते, तब तक कार में सवार दोनों युवक भाग गए। पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को थाना परिसर में खड़ा कराया और अब कार नंबर के जरिए मालिक का पता लगाया जा रहा है।

सोनम की जमानत रद्द कराने हाईकोर्ट जाएगी शिलॉन्ग पुलिस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। चर्चित ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम को मिली जमानत के बाद अब इस कानूनी लड़ाई में नया मोड़ आ गया है। शिलॉन्ग पुलिस सोनम की जमानत को चुनौती देने के लिए मेघालय हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रही है।

पुलिस का मानना है कि सोनम इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड है और उसकी रिहाई से केस के गवाहों को प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। जमानत मिलने से वह गवाहों को प्रभावित कर सकती है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को राज कुशवाहा की जमानत याचिका को शिलॉन्ग कोर्ट ने खारिज कर दिया है। शिलॉन्ग एसपी विवेक सियेम ने कहा कि हम जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं और कानून के मुताबिक इस मामले को आगे बढ़ाते रहेंगे। कोर्ट ने अपने अधिकारों का उपयोग किया है। हमारी जांच नियमों के अनुसार आगे बढ़ेगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस उन बिंदुओं को ही आधार बनाएगी, जिन बिंदुओं पर शिलॉन्ग की सत्र न्यायालय ने सोनम को जमानत दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शिलॉन्ग पुलिस अब इस मामले से जुड़े साक्ष्यों और तथ्यों को और मजबूती से प्रस्तुत करने की रणनीति बना रही है, ताकि हाईकोर्ट में जमानत आदेश को चुनौती दी जा सके। वहीं सरकारी वकील केशव गौतम ने इस पूरे मामले को लेकर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है।

1.29 करोड़ की ब्राउन शुगर जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बाणगंगा थाना क्षेत्र में दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 129 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1 करोड़ 29 लाख रुपए आंकी गई है।

डीसीपी राकेश व्यास के अनुसार पकड़े गए आरोपियों की पहचान शिवम सोनी और अभिषेक सिंह तोमर के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से ब्राउन शुगर की करीब 70 पुड़िया जब्त की हैं, जिन्हें बेचने की तैयारी की जा रही थी। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी राजस्थान से मादक पदार्थ लाकर इंदौर और आसपास के इलाकों में सप्लाई करने की योजना

बना रहे थे। पुलिस को आशंका है कि यह मामला किसी बड़े संगठित ड्रग्स नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है। राजेन्द्र नगर पुलिस ने भी एक कार नंबर MP09-WA-6003 को रोक कर उसकी चेकिंग की। कार के अंदर से करीब 47 पेटी शराब जब्त हुई है। कार किसकी थी ओर शराब किस ठेकेदार की जा रही थी। इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है।

सांध्य दैनिक

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 285 | इंदौर, शनिवार 02 मई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

राज्यपाल मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की भेंट

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से शुक्रवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल का पुष्प-गुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभिवादन किया। राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य के विकास एवं जनकल्याण संबंधी विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। दोनों के बीच अनौपचारिक चर्चा भी हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी मौजूद थे।

बंगाल चुनाव

काउंटिंग पर SC का किसी भी नए आदेश से इनकार, टीएमसी को झटका

नई दिल्ली, (एजेंसी) पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए 4 मई को होने वाली मतगणना से पहले, सुप्रीम कोर्ट से टीएमसी को झटका लगा है. कोर्ट ने शनिवार को टीएमसी की उस याचिका पर सुनवाई की जिसमें कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी. मामला मतगणना केंद्रों पर केंद्र सरकार और पीएसयू (PSU) कर्मचारियों की तैनाती से जुड़ा है. बेंच ने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी नए आदेश की आवश्यकता नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने 'कोई आदेश की जरूरत नहीं' कहते हुए याचिका पर कोई विशेष दिशा-निर्देश जारी नहीं किया. अदालत ने चुनाव आयोग (EC) के उस प्रतिवेदन को रिकॉर्ड पर लिया, जिसमें आयोग ने आश्वासन दिया है कि संबंधित सर्कुलर को उसके पूर्ण अर्थ और भावना के साथ लागू किया जाएगा. सुनवाई के दौरान टीएमसी ने अपना रुख नरम करते हुए कहा कि अब वे केवल इतना चाहते हैं कि सर्कुलर के अनुसार प्रत्येक टेबल पर कम से कम एक व्यक्ति राज्य सरकार का कर्मचारी हो.

भजपा नेता ने दो सगी बहनों संग की थी शादी

दूसरी पत्नी संग शॉपिंग कर घर लौटा तो हो गई मौत

धनबाद, (एजेंसी) धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. जहां भाजपा के एससी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष अमृत दास की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई है. घटना के बाद परिवार ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

बरगी हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों से की मुलाकात

बच्चों को गले लगाकर भावुक हो गए सीएम, बेटियों को दिया भरोसा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल/जबलपुर, एजेंसी। बरगी डैम हादसे में अभी तक 9 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। शुक्रवार को सीएम मोहन यादव मृतकों के परिजनों से मुलाकात करने के लिए जबलपुर पहुंचे। सीएम मोहन यादव ने यहां मृतक के परिजनों से मिलकर भावुक हो गए। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और हादसे में दुख जताया। सीएम ने यहां मासूम बच्चियों को गले भी लगाया।

एक तरफ बेटे-बेटियां आंसू नहीं रोक सकीं, तो दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव भी भावुक हो गए। माहौल इतना गमगीन था कि बस भावनाएं बोल रही थीं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहीं बच्चों को गले लगाया, तो कहीं बेटी के सिर पर हाथ रखकर सांत्वना दी। दरअसल, सीएम डॉ. यादव बरगी क्रूज हादसे में पीड़ित परिवारों से मिलने 1 मई को जबलपुर पहुंचे। यहां उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर कहा कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। कोई भी परिवार खुद को अकेला न समझे। इस दौरान उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी उनके साथ थे। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री डॉ मोहन ने कहा कि इस हादसे के दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। उच्च स्तरीय समिति इसकी जांच करेगी। भविष्य में ऐसी घटना नहीं हो। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम करीब 5 बजे पर्यटन विभाग का एक क्रूज डूब गया। हादसा अचानक आई तेज आंधी तूफान के कारण हुआ था। हादसे में 15 लोग तैरकर बाहर आ गए लेकिन कई लोग लापता हैं। जिनके लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अभी तक 9 शव मिल चुके हैं। प्रशासन के मुताबिक, 28 लोगों को बचा लिया गया है। तीन बच्चों सहित 4 लोग लापता हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 40 से ज्यादा लोग सवार थे। हादसे में मध्य प्रदेश सरकार ने मुआवजे की घोषणा की थी। सीएम मोहन यादव ने मृतकों के परिवारजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

मध्यप्रदेश में क्रूज संचालन पर रोक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। बरगी डैम क्रूज हादसे में नौ लोगों के शव मिले हैं। क्रूज को निकाल लिया गया है। सीएम मोहन यादव और पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा कि बरगी बांध में हुआ हादसा चक्रवात की वजह से हुआ है। उसकी विस्तृत जानकारी जांच रिपोर्ट के बाद ही मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि इस हादसे में मन को बेहद दुख पहुंचा। वहीं, दुर्घटना में रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को पानी से बाहर निकाला, उनका 15 अगस्त को सम्मान किया जाएगा। क्रूज डूबने के बाद कई लोगों ने अपनी जान दांव पर लगाकर लोगों को बचाया था। सीएम यादव ने कहा कि अभी बरगी बांध में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हमने इस घटना को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। इस हादसे की वजह से मन बहुत दुखी है। हमारी रेस्क्यू टीम तत्पर थी। उसने क्रूज को काटकर लोगों को पानी से बाहर निकाला है। रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को निकाला है, हम उन्हें 15 अगस्त को सम्मानित करेंगे। वहीं, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कहा है कि एमपी में क्रूज संचालन पर रोक लगा दी गई है। क्रूज फिटनेस और मानकों की जांच के बाद ही इसका संचालन होगा।

शादियों से पहले कमर्शियल गैस सिलेंडर 3 हजार का हुआ

993 रु. तक महंगा हुआ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। दो महीने की किल्लत के बीच मध्यप्रदेश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 993 रुपए महंगा हो गया है। भोपाल में 3074 रुपए, इंदौर में 3179 रुपए, जबलपुर में 3290 रुपए, ग्वालियर में 3296 रुपए और उज्जैन में 3241 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। दो महीने में रेट 1248 रुपए बढ़ चुके हैं। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा।

कमर्शियल सिलेंडर के रेट ऐसे समय बढ़े हैं, जब होटल, रेस्टोरेंट-ढाबों को जरूरत की 50 प्रतिशत गैस ही मिल रही है। जुलाई तक प्रदेश में 20 हजार से ज्यादा शादियां होनी हैं, ऐसे में आम लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मध्य प्रदेश टेंट कैटर्स एसोसिएशन के रामबाबू शर्मा ने बताया कि सिलेंडर के रेट बढ़ने से होटल और कैटर्स में 10 प्रतिशत तक कॉस्टिंग का फर्क पड़ेगा। 500 लोगों के 5 लाख रुपए के खाने का बजट अब 45 से 50 हजार रुपए तक बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि सिलेंडर पर 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी ठीक थी, लेकिन करीब 50 प्रतिशत बढ़ोतरी न्याय संगत नहीं है। सरकार को फैसला वापस लेना चाहिए। कमर्शियल गैस सिलेंडर 2 महीने में साढ़े 12 सौ रुपए तक महंगा हुआ है। यानी पहले की तुलना में 60% रेट बढ़े हैं। फरवरी तक सिलेंडर 1800 रुपए में मिल जाता था, लेकिन अब 50 प्रतिशत आपूर्ति ही हो रही है। कमर्शियल गैस नहीं मिलने से डीजल भट्टी और इंडक्शन का उपयोग हो रहा है। इससे डीजल और बिजली का खर्च बढ़ा हुआ है। अब खाने के रेट बढ़ाने पड़ेंगे। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एमपी हेड अभिषेक बहेती ने बताया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतें हर महीने बढ़ रही हैं। पहले 60 रुपए, फिर 195 रुपए और अब 993 रुपए तक रेट बढ़े हैं। इससे रेस्टोरेंट में खाने का रेट 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। यह आम लोगों पर बोझ डालेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के किसान हितेषी फैसले से इंदौर-पीथमपुर कॉरिडोर को मिली रफ्तार

◆ मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 मई को प्रथम चरण का करेंगे भूमिपूजन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट को गति देने के लिए किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने जमीन देने वाले भू-स्वामियों को मिलने वाली विकसित जमीन का हिस्सा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले से किसानों का भरोसा बढ़ा है और वे प्रोजेक्ट में स्वेच्छा से जुड़ रहे हैं।

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने वाली प्रमुख परियोजना है। इस परियोजना में 75 मीटर चौड़ी और 20 किलोमीटर लंबी सड़क के दोनों ओर 300-300 मीटर क्षेत्र में सुनियोजित विकास किया जाएगा। परियोजना में 1300 हैक्टेयर से अधिक भूमि शामिल है और इसकी कुल लागत 2360 करोड़ रु. निर्धारित की गई है। इसके माध्यम से उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी, जिससे बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती भू-स्वामियों से सहमति के साथ जमीन प्राप्त करना थी, क्योंकि शहर के समीप

होने के कारण भूमि का बाजार मूल्य अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस स्थिति को समझते हुए किसानों के हित में बेहतर निर्णय लिया। इससे विकास और किसानों के हितों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस निर्णय के बाद किसानों की भागीदारी में तेजी आई है।

योजना में किसानों को उनकी जमीन के बदले विकसित जमीन दी जाती है, यानी ऐसी जमीन जिसमें सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं पहले से उपलब्ध हों। अब 60 प्रतिशत विकसित जमीन मिलने से किसानों को भविष्य में अधिक मूल्य प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही वे इस जमीन का उपयोग आवासीय, वाणिज्यिक या अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए कर सकेंगे, जिससे उनकी आय के स्थायी स्रोत बनेंगे।

परियोजना के प्रथम चरण का भूमि-पूजन मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 3 मई को सेक्टर-ए, ग्राम नैनोद, इंदौर में किया जाएगा। प्रथम चरण की लागत 326.51 करोड़ रु. है, जिसके तहत प्रारंभिक अधोसंरचना विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

परियोजना से क्षेत्र में आधुनिक अधोसंरचना विकसित होगी, कनेक्टिविटी मजबूत होगी और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

जिला प्रशासन और एमपीआईडीसी द्वारा भू-स्वामियों से लगातार संवाद स्थापित किया जा रहा है और उन्हें योजना के लाभों की जानकारी दी जा रही है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और किसान इस महत्वाकांक्षी परियोजना में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं।

ट्रांसफार्मर टेस्टिंग के दौरान धमाका

तीन कर्मचारी गंभीर रूप से झुलसे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार, एजेंसी। जिले के तिरला थाना क्षेत्र अंतर्गत बोधवाडा में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां 33 केवी विद्युत ग्रिड पर नए ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग के दौरान अचानक तेज धमाका हुआ, जिससे मौके पर मौजूद तीन आउटसोर्स विद्युत कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए धार के निजी अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार, ग्रिड पर नए ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान हुए विस्फोट में कर्मचारी मितेश, झरी और ऋषभ गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में मितेश और झरी लगभग 95 प्रतिशत तक झुलस गए हैं, जबकि तिरला निवासी ऋषभ करीब 40 प्रतिशत झुलसा है। तीनों की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें इंदौर रेफर कर दिया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते लोड के कारण ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ था, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही तिरला थाना प्रभारी ज्योति पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

◆ राज्यपाल और मुख्यमंत्री शामिल हुए गुजरात एवं महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह में

विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन पर्व है राज्य स्थापना दिवस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि 1 मई, देश के दो अत्यंत समृद्ध-सशक्त राज्य गुजरात और महाराष्ट्र के प्रशासनिक गठन के स्मरण का दिवस है। उनकी विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन पर्व है। उन्होंने कहा कि भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताएँ ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं, जिनके बीच की एकता ही सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत का आधार है। महाराष्ट्र की औद्योगिक क्षमता और वित्तीय नेतृत्व के साथ गुजरात की उद्यमशीलता, व्यापारिक दक्षता, समुद्री विकास और नवकरणीय ऊर्जा विकसित भारत की मजबूत आधारशिला है।

राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को गुजरात और महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह को संबोधित

कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने दोनों राज्यों के निवासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। लोकभवन के सांदीपनि सभागार में "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" संकल्पना के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।राज्यपाल श्री पटेल ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे हमारी विविधता की अतुलनीय ताकत को पहचानें। एकमत और एकजुट होकर विकसित भारत @2047 के लिए कार्य करें। उन्होंने इस अवसर पर "एक भारत–श्रेष्ठ भारत " के संकल्प को साकार करने में सक्रिय सहभागिता और राष्ट्र के नव निर्माण में सर्वोत्तम योगदान का संकल्प भी दिलाया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गुजरात में भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका नगरी, विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ मन्दिर, जैसे पवित्र तीर्थ स्थल है। गुजरात की सांस्कृतिक पहचान उसके उत्सवों, विशेषकर नवरात्रि में माँ आदि शक्ति की आराधना, गरबा और डांडिया में झलकती है, जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। कच्छ का रण, गिर के वन, साबरमती का तट, माँ नर्मदा का आशीर्वाद और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी राज्य की विविधता को अद्वितीय छटा प्रदान करते है। साबरमती के संत महात्मा गांधी एवं लौह पुरूष सरदार पटेल जैसे धरती पुत्रों ने दुनियाँ में भारत की विशिष्ट पहचान बनाई है।

दिग्विजय सिंह की जीतू पटवारी को खरी-खरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यप्रणाली और नियुक्तियों पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को सार्वजनिक मंच से खरी-खरी सुना दी।

एससी विभाग के प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्ष की बैठक को संबोधित करते हुए दिग्विजय सिंह ने जीतू पटवारी पर तंज कसते हुए कहा कि "आप सदस्यों की नियुक्तियां कर दीजिए...केसी वेणुगोपाल से तो आप जो चाहे लिखवाकर ले आओगे। जितने आप उन्हें प्रिय हो उतना कोई और नहीं है।" उन्होंने कहा कि जितनी पकड़ आपकी एआईसीसी में है, उतनी हम लोगों की नहीं है। कांग्रेस में अंदरूनी मनमुटाव और पक्षपात के आरोप नए नहीं। एक बार फिर इसकी झलक देखने को मिली जब एससी विभाग के प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्ष की बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मंच से जीतू पटवारी को घेर लिया। उन्होंने कहा कि "मुझे पता चला कि वाल्मीकि समाज और बसोड़ समाज का कोई मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सदस्य नहीं है। आप इनकी नियुक्ति कर दीजिए।" लेकिन बात यहीं नहीं थमी...दिग्विजय सिंह ने कटाक्ष भरे लहजे में कहा कि जीतू पटवारी केसी वेणुगोपाल के सबसे प्रिय हैं और वो जो चाहें उनसे लिखवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि "आपका कहा कोई टालता है क्या। यहां राजेंद्र गौतम जी बैठे हैं उन्होंने आपकी बात कभी टाली है क्या। आपकी जो पकड़ एआईसीसी में है वो हम लोगों की नहीं है। इसलिए इन लोगों को जोड़ दो।" उनकी इस बात पर सभा में हंसी की लहर दौड़ गई और जमकर तालियां भी बजी।

'रीना बोरासी को मैं पवनखेड़ा बनाकर छोड़ूंगा'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रतलाम, एजेंसी। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के आरोपों के बाद आलोट विधायक चिंतामणि मालवीय का जवाब सामने आया है। उन्होंने वीडियो जारी कर सभी आरोपों को झूठा बताया और कहा कि वे इस मामले में कोर्ट में आपराधिक और मानहानि का केस करेंगे। विधायक ने यहां तक कहा कि मै उन्हें (रीना बोरासी) को पवन खेड़ा बनाकर छोड़ूंगा। बता दें कि गुरुवार को भोपाल में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने आलोट विधायक मालवीय के खिलाफ राज्यपाल को शिकायत की थी। विधायक के खिलाफ यौन शोषण, संपत्ति हड़पने के गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि बाद में विधायक ने सभी आरोपों को निराधार बताया था। 'रीना बोरासी ने मेरे ऊपर जो आरोप लगाए है वह नितांत असत्य, तथ्यविहिन व प्रमाणविहिन हैं। मेरे ऊपर कोई आरोप, कोई जांच, कोई, कोई प्रकरण लंबित नहीं है। ना ही मैने किसी की जमीन हड़पी है। इस तरह के स्तरहीन और झूठे आरोप लगाना निश्चित रूप से अपराध है। उनके ऊपर एक क्रिमिनल केस, उन्होंने मेरा चरित्र हनन किया है। एक क्रिमिनल केस और एक मानहानि का केस दावा करने जा रहा हूं। न्यायालय में प्रस्तुत करने जा रहा हूं। चूंकि रीना बोरासी 68800 वोटों से चुनाव हारी है। अपने डूबे हुए अस्तित्व को तलाशने के लिए उनको स्तरहीन आरोप नहीं लगाना चाहिए।

संपादकीय

95 के पार रुपया: कच्चे तेल के खेल ने बढ़ाई भारत की मुश्किल

ईरान युद्ध शुरु होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपये में 4% से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। गुरुवार को जब भारतीय मुद्रा ने 95 रुपये प्रति डॉलर को भी पार कर लिया, तो चिंता बस अवमूल्यन की नहीं, यह भी है कि अभी इसमें रिकवरी की गुंजाइश नहीं दिख रही। दबाव में इकॉनमी: अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। लेकिन, उन देशों के लिए चिंता ज्यादा बड़ी है, जिन्हें तेल-गैस दूसरे देशों से खरीदना पड़ता है। भारत यहीं पर आकर फंसा महसूस कर रहा है और इसका असर रुपये की गिरती वैल्यू के रुप में दिख रहा है। क्रूड ऑयल 2022 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड का रेट 110 डॉलर प्रति बैरल था, जबकि इससे एक दिन पहले तो इसने 126 के आंकड़े को छू लिया। दो महीने पहले जब यह लड़ाई शुरु हुई, तब क्रूड का दाम 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। चिंता की बात यह है कि 126 भी आखिरी पड़ाव नहीं है और आशंकाएं इसके 150 डॉलर तक पहुंचने की भी हैं। क्रूड जितना ज्यादा ऊपर जाएगा और जितने लंबे समय तक ऊपर रहेगा, भारत को उतना ही नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि तब आयात के लिए ज्यादा डॉलर खर्च करने पड़ेंगे। इससे रुपये की वैल्यू नीचे आएगी, जो अभी हो रहा है। एक अनुमान के अनुसार, क्रूड ऑयल में प्रति बैरल 10 डॉलर की बढ़ोत्तरी से GDP पर 0.5% तक का असर पड़ता है। यानी अगर यही हालात लंबे समय तक रहे, तो पूरी इकॉनमी कमजोर पड़ सकती है। रुपये पर दूसरी मार पड़ रही है विदेशी निवेशकों के बाहर जाने से। इस साल अभी तक विदेशी निवेशक 20 अरब डॉलर से ज्यादा निकाल चुके हैं। साल 2022 में जब रुस-यूक्रेन युद्ध शुरु हुआ, तब भी भारत के सामने आर्थिक चुनौती आई थी। उस पूरे बरस के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये में 10% की गिरावट दर्ज की गई थी। तब भी बड़ी वजह थी कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से आयात बिल का बढ़ जाना। लेकिन, उस समय आज की तरह प्रॉडक्शन और सप्लाई चेन इतनी बुरी तरह प्रभावित नहीं हुई थी। आरबीआई ने मार्च में करंसी को संभालने की कोशिश की थी, जिससे थोड़ी रिकवरी भी हुई। लेकिन, अब फिर से रुपये के लिए चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी :

वासना की कड़ियां

मुल्तान की लड़ाई को जीतने के बाद घमंड में चूर कासिम चला आ रहा था। शाम हो गई थी और सारा लश्कर आरामगाह की तलाश में था, लेकिन कासिम अपने मालिक की सेवा करने के ख्यालों में था। वो उन तैयारियों के बारे में सोच रहा था जो उसके स्वागत के लिए दिल्ली में की गई होंगी। सड़कें झंडियों से सजी होंगी, गलियों, चौराहों और नौबतखाने (फाटक या द्वार के ऊपर का वह स्थान जहां वाद्य यंत्र बजाए जाते हैं) के ऊपर गीत गाए जाएंगे। जैसे ही मैं शहर के अंदर दाखिल होउंगा, शहर भर में मेरे स्वागत के लिए लोग खुशी से चिल्लाने लगेंगे। तोपों की सलामी दी जाएगी। शहर की सारी सुंदर स्त्रियां मुझे ही देखेंगी और मेरे ऊपर फूलों की बारिश करेंगी। बड़े-बड़े लोग मेरे स्वागत के लिए महल के द्वार तक आएंगे। मेरे दरबार में पहुंचते ही हुजूर जैसे ही मुझे गले लगाने के लिए उठेंगे मैं उनके पैर चूम लूंगा। आह, वो समय कब आएगा?

कासिम ने इन्हीं खयालों में झूमता हुआ घोड़े को भगाया और सारे कैदियों के झुंड, घायल सिपाहियों को, लश्कर को भी पीछे छोड़ दिया। लश्कर के आगे मुल्तान के राजा की बेगमें और शहजादियां और उनके नौकर चाकर थे। इन सवारियों के आगे और पीछे हथियारबंद ख्वाजा सहराओं का एक बड़ा दल था। कासिम अपनी धुन में घोड़े को आगे बढ़ाए जा रहा था। तभी अचानक उसने एक सजी हुई पालकी में से दो आंखों को बाहर झांकते हुए देखा। कासिम दो पल के लिए चौंक सा गया। उसे अपने दिल में एक कंपकंपी सी महसूस हुई। वो नजरें कासिम के दिल के किसी एक कोने में घर कर गई। उसके सामने वही दो आंखें घूम रही थी। उसके दिल में एक मीठी-मीठी चुभन सी, एक बेसुधी सी होने लगी। उसका रोने को मन कर रहा था। उसके दिल में दर्द का एहसास जाग गया था, जो प्यार की पहली मंजिल होती है। थोड़ी देर बाद कासिम ने हुक्म दिया- 'आज हमारा यही ठहराव होगा'।

आधी रात गुजर चुकी थी और लगभग सारे लश्कर के आदमी गहरी नींद सो चुके थे। पड़ाव के चारों ओर मशालें जलती दिख रही थीं। जो जवान सुरक्षा में थे वो भी जाम्हाइयां ले रहे थे, लेकिन एक कासिम था कि उसकी आंखों में नींद बिल्कुल न थी। वो अपने आरामदायक खेमे में बैठे हुए सोच रहा था कि क्या उस स्त्री को एक नजर देख लेना कोई गुनाह है? माना कि वो मुल्तान की शहजादी हैं और मेरे हुजुर उसे अपने महल में रखना चाहते हैं, लेकिन मेरी इच्छा तो बस उसे देखने भर की है। अगर ये गुनाह है तो मैं ये गुनाह करूंगा। अभी भी तो हजारों बेगुनाहों को मारकर के लौटा हूं और किसी को एक नजर देख लेना उन कत्लों से बड़ा गुनाह नहीं हो सकता।

वैसे भी कासिम मुल्तान को फतेह करने वाला हीरो था। वो देर रात तक इसी तक इसी विषय पर सोचता रहा। फिर कासिम ने अपने खेमे से बाहर निकलकर बेगमों के खेमे को देखा, जो थोड़ी दूर पर ही थे। कासिम ने अपना खेमा इन खेमों के नजदीक जानबूझकर लगवाया था। बेगमों के खेमे के बाहर पांच सैनिक पहरा दे रहे थे। कासिम ये सोचने लगा कि इन सैनिकों को क्या नींद नहीं आती? खेमे के चारों ओर इतनी रोशनी क्यों कर रखी है। कासिम ने अपने खास को आवाज लगाई – मसरूर। मसरूर कासिम के पास आकर बोला- जी हुजूर? कासिम ने बोला- ये मशालें बुझा दो मुझे नींद नहीं आ रही। मसरूर- जैसी आपकी मर्जी। यह कहकर मसरूर वहां से चला गया और मशालें बुझ गई। थोड़ी देर बाद एक सेविका शहजादी के खेमे से निकलकर बाहर आई और मसरूर से मशालें बुझाए जाने की वजह पूछी। मसरूर ने कहा – सिपहदार ने ऐसा करने को कहा है, तुम लोग चौकन्ने रहना, मुझे तो उनकी नियत में खोट मालूम होती है।

कासिम काफी व्याकुल था, वो कभी लेट जाता तो कभी टहलने लगता। वह बार-बार अपने खेमे के बाहर आकर देखता, लेकिन पांचों पहरेदार अपनी बड़ी-बड़ी तलवारें लिए पहरे पर अटल थे। इसके बावजूद कासिम पर यही धुन सवार थी कि आखिर शहजादी के दर्शन कैसे हों? इसके आगे उसे ना बदनामी दिख रही थी और ना ही शाही गुस्से का डर। घड़ियाल ने रात के एक बजाए, जिससे कासिम चौंक गया, जैसे कोई अनहोनी हो गई हो। कासिम इस सोच में पड़ गया कि अब तो कुछ ही घंटों में सुबह हो जाएगी। तीन-चार घंटों में तो लश्कर भी कूच (एक जगह से दूसरे जगह जाना) कर देगा। कासिम ये सोचने लगा कि अब वक्त कम है, कल तक तो दिल्ली पहुंच जाएंगे। ऐसा ना हो कि सारे अरमान दिल में ही रह जाएं। किसी तरह से इन पहरेदारों को चकमा देकर ये काम किया जाना चाहिए। कासिम ने एक बार फिर मसरूर को आवाज लगाई।

मसरूर- ''जी हुजूर कहिए?''

कासिम- ''बाहर कैसी ठंड है नींद आ रही होगी ना?''

मसरूर- ''जी नहीं जब आपने ही आराम नहीं किया तो मुझे कैसे नींद आ सकती है।''

इस पर कासिम ने कहा- ''मसरूर, मैं तुम्हे कुछ तकलीफ देना चाहता हूं। तुम्हारे साथ जो ये पांच आदमी हैं, जरा उनके साथ लश्कर का चक्कर लगा आना। रात में कुछ सिपाही जुआ या फिर पास के गांवों में चले जाते हैं, पर काम जरा होशियारी से करना।''

मसरूर- ''पर हुजूर यहां तो पहरेदारी के लिए कोई नहीं बचेगा?''

कासिम- ''जब तक तुम नहीं आ जाते तब तक मैं यहां रहूंगा।''

मसरूर ने धीमी आवाज में कहा- ''हुजूर मैं आपकी सभी चालों को समझता हूं।''

इसके बाद पांचों सैनिक लश्कर की तरफ चले गए। रास्ता साफ था, लेकिन अब कासिम को इस बात का ध्यान आया कि अंदर जाना उतना आसान नहीं है जितना वो समझ रहा था।

अब चारों तरफ सन्नाटा था और कासिम दबे पांव शहजादी के खेमे की ओर आया। खेमे के पास आकर पहले कासिम ने ये तस्सली कर ली कि कोई हो ना। जब उसे इत्मीनान हो गया तो उसने चाकू निकाला और कांपते हुए खेमे की रस्सियां काट दी। अब खेमे के अंदर जाने का रास्ता बन आया तो उसने अंदर एक दीपक जलता हुआ देखा और फर्श पर सोई हुई दो दासियों को पाया। शहजादी एक आरामदायक मखमली गद्दे पर लेटी हुई थी। कासिम ने अपनी हिम्मत बढ़ाई और सरक कर खेमे के अंदर घुस गया। वो दबे पांव शहजादी के पास गया और उसे देखने लगा। अब उसके अंदर वो डर नहीं था जो खेमे के अंदर घुसते वक्त हुआ था। करीब एक मिनट तक बिना पलक झपके कासिम शहजादी को देखते रहा। कासिम शहजादी की खूबसूरती को देखकर देखता ही रह गया। उसकी बेचैनी ने अब इच्छा का रूप धारण कर लिया। उस बेचैनी में एक व्याकुलता थी। एक पीड़ा थी जो उसे आनंद दे रही थी। कासिम का दिल उस खूबसूरत शहजादी के पैरों में सिर रखने का कर रहा था, रोने को हो रहा था, यहां तक कि उसका दिल उस सुंदरी के कदमों में अपनी जान देने का कर रहा था। उसके मन में अजीब सा एहसास होने लगा और वह वासना की लहरों में फंसता चला गया।

कासिम करीब आधे घंटे तक उस सुंदरी के पैरों के पास अपना सिर झुकाए बस यही सोचता रहा कि आखिर कैसे उसे जगाए। वो जैसे-जैसे करवट बदलती कासिम का कलेजा मुंह को आ जाता। कासिम ने जिस दिलेरी, जिस बहादुरी से मुल्तान को जीता था, धीरे-धीरे वो दिलेरी उसका साथ छोड़े जा रही थी। फिर अचानक कासिम ने एक गुलाबपोश (गुलाब जल रखने का पात्र) को देखा, जो एक चौकी पर रखा हुआ था। उसने गुलाबपोश उठाया और फिर सोच में पड़ गया कि शहजादी को जगाऊं या नहीं? अंत में हिम्मत कर कासिम ने शहजादी के चेहरे पर गुलाब जल के कई छींटे डाले, जिससे शहजादी की नींद खुली और उसने अपने सामने कासिम को पाया। कासिम को देखकर उसने फौरन अपना चेहरे पर नकाब डाला और धीरे से मसरूर को आवाज लगाई।

इस पर कासिम ने कहा- ''जी वो मसरूर तो यहां नहीं है, लेकिन आप मुझे अपना ही खादिम समझिए।''

शहजादी ने अपना नकाब ठीक किया और खेमे के एक कोने में जाकर खड़ी हो गई। कासिम को आज पहली बार अपनी वाक-शक्ति (बोलने की शक्ति) को लेकर यह एहसास हुआ कि वो कितना गंभीर आदमी है। उसे अपने जज्बात बयां करने में हमेशा झिझक होती थी।

कासिम ने कहा- ''मैं जानता हूं कि मैंने गलती की है, आप इसकी जो सजा सही समझें वो मुझे मंजूर होगी।'' कासिम ने शहजादी के सामने आह भरते हुए कहा- ''मैं ही वो बदनसीब इंसान हूं, जिसने आपके बुजुर्ग पिता और भाइयों को मारा है। मेरे ही हाथों से मुल्तान के हजारों जवान भी मारे गए। सल्तनत तबाह हो गई और आपको ये दिन देखना पड़ा, लेकिन आपका ये मुजरिम आपके सामने है। आपके एक इशारे पर मैं आपके लिए न्योछावर हो जाऊंगा। मुझे ये आज मालूम हुआ कि कैसे बहादुरी के पर्दे में मन की इच्छा इंसान से किस तरह के पाप करवाती है। काश! मेरी ये आंखे पहले खुली होती।'' कासिम ने अपने दिल का सारा हाल शहजादी के सामने कह दिया भावनाओं में उसने अपने दिल की पीड़ा का ऐसा वर्णन किया कि उसके पास जो शब्द थे वो भी खत्म हो गए। अपने दिल की बात कहने की उसकी सारी इच्छा पूरी हो गई।

कासिम वहां से हिला तक नहीं, बल्कि उसने अपनी आरजुओं के लिए एक कदम और आगे बढ़ाया। मेरे इस पूरे विवरण का फायदा ही क्या? अगर हाले दिल ही सुनाना होता तो किसी तस्वीर को सुना देता। वो तस्वीर मेरी कहानी को ज्यादा ध्यान से और खामोशी से सुनती। कासिम के दिलो दिमाग में बस यही चल रहा था कि काश मैं भी इस सुंदरी की आवाज सुन पाता। मेरे इस दर्द का उसके दिल पर क्या असर हुआ ये मालूम हो पाता। काश! उसे इस बात का एहसास होता कि जिस आग में मैं जल रहा हूं, उसकी थोड़ी सी आंच उधर भी पहुंच पाती। उसकी आवाज कितनी मीठी होगी। इस सुंदर शहजादी की आवाज सुनने में कितना मजा आएगा। अगर कहीं वो भी मुझसे प्यार करती होगी तो फिर मुझसे खुशनसीब इस दुनिया में कोई और ना होगा।

इन्हीं खयालों में कासिम दिल ही दिल खुश हुए जा रहा था। इन सबके बीच कासिम को दासियों के जागने और मसरूर के वापस आ जाने की धक-धक लगी हुई थी। कासिम ने कहा- ''ए हुस्न की मल्लिका, ये खादिम (सेवक) आपकी कृपा का अधिकार रखता है, इसपे कुछ रहम नहीं करेंगी आप?''

इस पर शहजादी ने नकाब की अंदर से ही कहा- ''जो खुद रहन पाने का अधिकारी हो वो दूसरों पर क्या रहन करेगा ? मैं वो पंछी हूं जिसके ना बोल हैं ना पर।''

शहजादी ने कहा- ''मुझे मालूम है कि कल शाम को मैं उस जालिम बादशाह के आगे हाथ बांधे खड़ी रहूंगी। कौन शख्स ऐसी जिंदगी की इच्छा रखेगा?'' आगे शहजादी ने आह भरते हुए कहा- ''मुल्तान की शहजादी एक जालिम और पापी इंसान की वासना का शिकार होने को मजबूर है। आप मुझे मेरे हाल पर छोड़ दीजिए। मैं तो हूं ही बदनसीब ऐसा ना हो कि आपको भी मेरे साथ-साथ शाही गुस्से का शिकार बनना पड़े। दिल में तो बहुत बातें हैं पर क्यों कहूं, उससे क्या ही हासिल हो जाएगा? आप बहादुर भी हैं और आप में खुद्दारी भी है, खुदा आपको बरकत दे। मुझे आपसे कोई शिकायत नहीं है। मुझे आज मालूम हुआ कि मुहब्बत कितनी पाक है, जो उस दामन में भी मुंह छुपाने से परहेज नहीं करती जो मेरे अपनों के खुन से सना पड़ा है। आपसे मेरी बस यही विनती है कि आप इस गरीब को भूल मत जाना। ये पल मेरे दिल में हमेशा एक मीठी याद बनकर रहेगा। उस कैद में यही सपना मेरे दिल को सुकून दिया करेगा। अब आप इस सपने को तोड़िए मत और खुदा के वास्ते जाइए यहां से, इससे पहले की मसरूर आ जाए। वो बड़ा ही जालिम किस्म का है। मुझे तो ये आशंका है कि उसने आपको धोखा दिया है, इसमें भी कोई शक नहीं कि कहीं वो यहां ना छिपा बैठा हो, उससे आप थोड़ा होशियार रहिएगा। अब आप जाइए, खुदा हाफिज।''

ये सब सुनने के बाद कासिम ख्यालों में डूब गया। उसने जो कभी सपने में भी नहीं सोचा था वो पूरा हो गया। वो गर्व से फूला न समा रहा था। वो अपने आप को दुनिया का सबसे खुशकिस्मत इंसान समझ रहा था।

कासिम के दिल ने कहा- मैं इस खूबसूरत स्त्री के लिए क्या कुछ नहीं कर सकता? मैं क्यों डरूं बादशाह से? मैं बादशाह का गुलाम नहीं हूं। मेरी बहादुरी की किसी भी दरबार में कद्र हो सकती है। मैं इस गुलामी की जंजीर को तोड़ डालूंगा और एक ऐसे देश में जाकर बस जाऊंगा जहां बादशाह तो क्या उसके परिंदे भी ना आ सकें। हुस्न का आशीर्वाद हो तो मुझे किसी और चीज की इच्छा नहीं। मैं अपनी इच्छाओं का गला क्यों घोटूं? इन्ही विचारों को मन में सोचते हुए कासिम ने तलवार निकाली और बोला- ''जब तक मुझमें दम है तब तक आपकी ओर कोई आंख उठाकर भी नहीं देख सकता। चाहे फिर वो बादशाह ही क्यों ना हो। मैं दिल्ली के हर कूचे में खून की नदियां बहा दूंगा, पूरी सल्तनत को तबाह कर दूंगा, अगर कुछ नहीं कर पाया तो मर मिट जाऊंगा पर आपका अपमान होते नहीं देखूंगा।''

शहजादी धीरे-धीरे कासिम के करीब आई और बोली- ''आप पर पूरा भरोसा है मुझे पर आपको मेरी लिए थोड़ा तो सब्र करना होगा। आपकी खातिर में हर तरह की तकलीफ सह लूंगी। आपका प्यार ही मेरी हिम्मत बनेगा। इस बात का यकीन है कि आप मुझे अपना समझते हैं मेरा सहारा बनेंगे। ना जाने तकदीर हमें फिर मिलाए या नहीं।''

इस पर कासिम ने अकड़ते हुए कहा- ''हम लोग दिल्ली जाएं ही क्यों भरतपुर जा सकते हैं?''

शहजादी ने कहा- ''पर हिंदुस्तान से बाहर थोड़े ना जा सकते। जंगलों और वीराने में जिंदगी चैन से नहीं बीतेगी। आप असलियत से मुंह मत मोड़िए। माना खुदा ने आपको बहादुरी बख्शी है, पर तेग-ए-इस्फ़ानी भी तो पहाड़ से टकराएगी तो टूट ही जाएगी।''

शहजादी की बात सुनकर कासिम का जोश थोड़ा ठंडा हुआ। कल्पना की दुनिया का जो भ्रम उसकी आंखों पर था वो हट गया। उसे अपनी बेबसी साफ-साफ दिखाई देने लगी। कासिम बोला- ''अगर आपको मेरे साथ जंगलों में जिंदगी बिताना पड़े तो क्या? मुहब्बत में तो दुनिया की नेमतें भी फीकी लगती हैं।'' इस पर शहजादी ने कहा- ''पर मुझे ये मंजूर नहीं कि अपनी भलाई के लिए मैं आपकी जान खतरे में डालूं। खुदा वो दिन कभी ना लाए जिससे कि आपका बाल भी बांका हो। आपकी खैरियत और बहादुरी की खबरें ही मुझे उस कैद में तसल्ली देंगी। मैं आपकी खातिर वो सब सह लूंगी, ताकि अगर कभी मौका मिले तो आपसे दो-चार बातें कर सकूं।''

यह सब सुनने के बाद भी कासिम वहां से हिला तक नहीं। उसकी इच्छाएं उम्मीद से बढ़कर पूरी हुए जा रही थी। उसने सोचा कि अगर मुहब्बत की ये बहार चंद लम्हों की मेहमान है तो फिर उन लम्हों को आगे का सोच कर बर्बाद क्यों करना। अगर तकदीर में इस हुस्न की मल्लिका को पाना नहीं लिखा है तो फिर ये मौका क्यों हाथ से जाने दूं? कौन जाने मुलाकात का मौका फिर मिले या ना मिले? यह सब सोचने के बाद कासिम ने कहा- ''अगर आपका यह आखिरी फैसला है तो मेरे लिए सिवाय मायूसी के क्या चारा रहेगा। पर बस आप एक पल के लिए ही सही पर मेरे पास आकर बैठ जाइए, ताकि मेरे बेकरार दिल को थोड़ी तसल्ली मिल जाए। आइए एक पल के लिए हम ये भूल जाएं कि जुदाई की यह घड़ी हमारे सामने खड़ी है। आइए ये पल साथ मिलकर बिताएं। आप अपनी खूबसूरत हाथों से हमें शराब पिलाएं।''

कासिम सब चीजों से बेखबर शराब पीता रहा। उसने इतनी शराब पी ली कि उसकी गर्दन झुक गई और आंखें लाल हो गईं। वो पूरी तरह से नशे में था। फिर अपनी लालसा भरी आंखों से वो शहजादी की तरफ बढ़ा ही था कि घड़ियाल ने सुबह के चार बजाते हुए जोर से कूच के डंके को बजाया, जिसकी दिल छेदने वाली आवाज कासिम के कान में आई। कासिम की बांहें खुली की खुली रह गई। दासियां भी उठ बैठी और शहजादी भी वहां से उठ खड़ी हुई। बेचारा कासिम अपने दिल की इच्छाएं लिए खेमे से बाहर निकल आया। जब वो अपने खेमे में आया तो उसका दिल कई सारी इच्छाओं से भरा हुआ था। उससे रहा नहीं गया और कुछ देर बाद उन इच्छाओं ने लालसा का रूप भरा और अब जब वो बाहर निकला तो उसका मन बुरी इच्छाओं और लालच से भरा हुआ था। उसके मन की इच्छाएं उसकी आत्मा के लिए लोहे की जंजीर बन गई थी।

शाम का वक्त था और दिल्ली की सड़कें झंडियों से सजी हुई थीं। जिन पर कासिम मुल्तान के मोर्चे को जीतकर गर्व के नशे में चूर चला आ रहा था। गुलाब और केवड़े के फूलों की खुशबू दिल्ली की सड़कों पर चारों तरफ फैली हुई थी। नौबतखानों में सुहाना राग गाया जा रहा था। तोपों ने मोर्चे की अगुवाई में अपनी आवाज बुलंद की। नगर की सुंदरियां खिड़कियों से देख रहीं थी। फूलों की बारिश हो रही थी। जब कासिम शाही महल के पास पहुंचा तो बड़े-बड़े अमीर लोग उसके स्वागत के लिए कतार में बंधे खड़े थे। ऐसे सत्कार के बीच जब वो दिवाने खास में पहुंचा तो उसका दिमाग उस वक्त सातवें आसमान पर था।

बादशाह के पास पहुंचते ही उसने शाही तख्त को चूम लिया। बादशाह भी मुस्कुराते हुए अपने तख्त से उतरे और कासिम को गले लगाने के लिए आगे बढ़े। कासिम अपने हुजूर के पैर चूमने के लिए झुका ही था कि मानों उसके सिर में एकाएक जैसे कोई बिजली गिरी। बादशाह का खंजर उसकी गर्दन पर पड़ते ही उसका सिर शरीर से अलग हो गया। खून के छींटे बादशाह के पैरों में, तख्त पर और उसके पीछे खड़े मसरूर की तरफ गिरे।

नीचे पड़ा धड़ एक पल में ही ठंडा हो गया, लेकिन हसरत की मारी हुई दोनों आंखें देर तक दीवारों की तरफ ताकती रहीं। थोड़ी देर में वो भी बंद हो गईं। लालसा ने तो अपना काम पूरा कर दिया था अब तो बस सिर्फ हसरत बाकी थी, जो सालों तक दीवाने खास की दीवारों पर रही और जिसकी झलक अभी भी कासिम की मजार (कब्र) पर घास-फूस की शक्ल में नजर आती है।

कहानी से सीख :

'वासना की कड़ियां' कहानी से हमें ये शिक्षा मिलती है कि वासना (बुरी इच्छा) बड़े से बड़े बहादुर व्यक्ति को भी के अंत की ओर ले जा सकती है। किसी भी स्त्री को बुरी नजर से देखने वाले व्यक्ति का कभी भी भला नहीं होता, बल्कि उसका अंत ही होता है।

Uttarpradesh

यूपी में दूल्हे का कत्ल: बरात लेकर पांच किमी दूर ही पहुंचा गाड़ी रोक गोलियों से भूना; इंतजार करती रही दुल्हन

जौनपुर। जौनपुर के खेतासराय थाना इलाके के बादशाही बाजार में शुक्रवार की रात करीब नौ बजे बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने शादी के लिए जा रहे दूल्हे आजाद बिंद (25) की गाड़ी को ओवरटेक कर गोली मार कर हत्या कर दी और वारदात को अंजाम देने के बाद जौनपुर की तरफ भाग निकले।

घर से पांच किमी दूर दूल्हे की हत्या के बाद हड़कंप मच गया। मौके पर देर रात तक सर्किल के सभी थानों की फोर्स तैनात रही। घटना के कारण को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

सरायख्वाजा थाना इलाके के बडौर गांव निवासी

आजाद बिंद (25) पुत्र रामलखन बिंद की बरात दस किमी दूर खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर जम जमदहां गोरखनाथ बिंद के घर जा रही थी। बरात करीब पांच किमी दूर आगे बादशाही बाजार पहुंची थी।

आरोप है कि पहले से घात लगाए अपाची बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने ओवरटेक कर दूल्हे पर तमंचे से तीन राउंड फायरिंग की, जो दूल्हे को लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बराती जब तक कुछ समझ पाते हमलावर जौनपुर की तरफ भाग निकले। वहीं, गोली लगने से दूल्हा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आनन-फानन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी ले जाया गया। हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

Maharashtra

महाराष्ट्र में मासूम से हैवानियत

दुष्कर्म के बाद बेरहमी से की हत्या, ऐसे पकड़ा गया 65 साल का बुजुर्ग आरोपी

पुणे, (एजेंसी) महाराष्ट्र के पुणे जिला में चार साल की मासूम के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। इस मामले में एक बुजुर्ग व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना भोर तहसील में शुक्रवार को हुई। इस मामले में 65 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि व्यक्ति बच्ची को खाने का लालच देकर अपने साथ ले गया और उसे मवेशियों के बाड़े में बने एक शेड में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी।

जब बच्ची लापता हुई तो उसके परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान एक घर के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी बच्ची के साथ दिखाई दिया, जिसके बाद पुलिस ने उसे जल्द ही पकड़ लिया। इस घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया। सैकड़ों गांववाले पुलिस चौकी पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे।

बाद में लोगों ने मुंबई-बंगलूरू राजमार्ग को जाम कर दिया, जिससे लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने लोगों को शांत करते हुए भरोसा दिलाया कि इस मामले में 15 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल कर दिया जाएगा।

Chhattisgarh

डीएसपी के बेटे ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दुर्ग-भिलाई, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ के भिलाई में सुसाइड के 2 मामले सामने आए हैं। डीएसपी के बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। पिता की विधानसभा में ड्यूटी लगी थी, जबकि मां और बहन जबलपुर शादी में गए थे। युवक बीबीए फर्स्ट ईयर का छात्र था। मामला स्मृति नगर चौकी क्षेत्र का है।

वहीं, भिलाई-3 थाना क्षेत्र में व्यक्ति ने आम के पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी। हालांकि, अभी तक सुसाइड की वजह साफ नहीं हो पाई है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

स्मृति नगर चौकी क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक युवक का नाम आयुष झारिया (20) है, जो कि रुंगटा कॉलेज के बीबीए फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था। उसके पिता संतोष झारिया डीएसपी हैं और भिलाई की प्रथम वाहिनी बटालियन में पदस्थ हैं। वह अपने परिवार के साथ बटालियन के पीछे स्थित कॉलोनी में रहते हैं। दूसरी घटना भिलाई-3 थाना क्षेत्र की है। बटंग गांव में एक व्यक्ति का शव आम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला है। मृतक की पहचान योगेश्वर वर्मा (43) के रूप में हुई है, जो बटंग गांव का ही रहने वाला था।

Paschim bangal

चुनाव नतीजों से पहले टीएमस पहुंची सुप्रीम कोर्ट

EC के इस फैसले को दी चुनौती

कोलकाता, (एजेंसी) ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों से पहले सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। टीएमसी ने अपनी याचिका में चुनाव आयोग के उस फैसले पर रोक लगाने की मांग की है, जिसमें मतगणना पर्यवेक्षकों के तौर पर सिर्फ केंद्रीय कर्मचारी या PSU स्टाफ रखने की बात कही गई है।

टीएमसी ने यह कदम तब उठाया गया जब कलकत्ता हाई कोर्ट ने 1 मई 2026 को टीएमसी की याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के फैसले में कोई गैर-कानूनी बात नहीं है। अब TMC ने सुप्रीम कोर्ट में तुरंत सुनवाई की मांग की है, क्योंकि 4 मई को वोटों की गिनती होनी है।

सीजेआई सूर्यकांत ने शनिवार को इस मामले की तत्काल सुनवाई के निर्देश दिए। याचिका

पर न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई होगी। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य सरकार के कर्मचारियों के बजाय केंद्र सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों में से मतगणना पर्यवेक्षकों और सहायकों की नियुक्ति करने के निर्णय में कोई अवैधता नहीं थी। अदालत ने कहा कि मतगणना पर्यवेक्षक और मतगणना सहायक की नियुक्ति राज्य सरकार या केंद्र सरकार से करने का अधिकार चुनाव आयोग के कार्यालय को है।

खेल

आईपीएल में दिल्ली ने पहली बार हासिल किया 220+ रन का लक्ष्य, जयपुर में राजस्थान ने छठा मुकाबला गंवाया

जयपुर, (एजेंसी) मिचेल स्टार्क की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन और पथुम निसांका तथा केएल राहुल की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शुक्रवार को सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने रियान पराग की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 225 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने पथुम निसांका और केएल राहुल की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 226 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दिल्ली की टीम आईपीएल में पहली बार 220 से ज्यादा रनों के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। इससे पहले टीम ने 2025 में लखनऊ के खिलाफ 210 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। वहीं,

राजस्थान के खिलाफ सबसे ज्यादा रनों के लक्ष्य को हासिल करने वाली दिल्ली दूसरी टीम बन गई। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने 229 रन बनाकर राजस्थान को मात दी थी। जयपुर में यह राजस्थान की सात मैचों में से छठी हार है।

दिल्ली इस जीत के साथ अंक तालिका में छठे पायदान पर है। नौ में से चार मुकाबले जीत चुकी अक्षर पटेल की टीम के खाते में आठ अंक हैं लेकिन उनका नेट रन रेट खराब है। वहीं, राजस्थान इस मुकाबले में शिकस्त के बावजूद चौथे पायदान पर बनी हुई है। उनके खाते में 12 अंक और +0.510 का नेट रन रेट है। शीर्ष पर पंजाब किंग्स का दबदबा है जबकि आरसीबी और हैदराबाद दूसरे और तीसरे स्थान पर है।

226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को पथुम निसांका और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 9.3 ओवरों में 110 रन की साझेदारी की। निसांका 33 गेंदों में तीन छक्कों और छह चौकों की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए।

यहां से केएल राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 30 गेंदों में 61 रन की साझेदारी की। नितीश 17 गेंदों में 2 छक्कों और तीन चौकों के साथ 33 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कुछ देर बाद टीम ने केएल राहुल का विकेट भी खो दिया, जो 40 गेंदों में पांच छक्कों और छह चौकों के साथ 75 रन बनाकर आउट हुए।

इस टीम ने 15.2 ओवरों में 177 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे। यहां से आशुतोष शर्मा ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ 23 गेंदों में 49 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिलाई। स्टब्स 18 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि आशुतोष ने 25 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

सिनेमा

आमिर खान ने बिना स्क्रिप्ट पढ़े साइन की थीं ये 2 फिल्में, बोले- मुझे पापा से बहुत डर लगता था

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान अपनी फिल्मों का चुनाव बहुत सोच समझकर करने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि उनके करियर में कुछ मौके ऐसे भी रहे हैं, जहां उन्होंने बिना सोचे-समझे और स्क्रिप्ट पढ़े ही फिल्मों के लिए हां कर दी। आमिर खान ने जाकिर खान के साथ बातचीत में बताया कि कैसे वह कोर लॉजिकल या रणनीतिक तरीके से सोचने की बजाए कई बार सिर्फ भावनात्मक रूप से अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं। आमिर खान ने बताया कि उन्हें अपने पिता से डर लगता है और कुछ मौके तो ऐसे भी थे जब उन्होंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही फिल्मों के लिए हां बोल दिया था। चलिए जानते हैं यह पूरा किस्सा। आमिर खान ने बताया कि उन्होंने 'अव्वल नंबर' और 'तुम मेरे हो' की स्क्रिप्ट सुने बिना ही इन फिल्मों को साइन कर लिया था। उन्होंने अपने पिता ताहिर हुसैन की भूमिका को याद किया और कहा कि वह अपने पिता से बहुत प्रभावित थे। आमिर खान ने बताया कि एक बार उनके पिता ने उन्हें बताया था कि देव आनंद उनसे मिलना चाहते थे। दिक्कत की बात यह थी कि आमिर खान से बात किए बगैर ही उनके पिता देव आनंद से उनकी मुलाकात और फिल्म तक के लिए हां कर चुके थे। जब आमिर खान ने कहा कि वह स्क्रिप्ट सुनना चाहते हैं तो उनके पिता ने उनकी बात को सिरे से खारिज कर दिया।

Highlights

1. Mosque built on graveyard land in UP's Sambhal declared illegal by court
2. Canada recognises Khalistani extremists as 'national security threat'
3. Schools can't compel parents to pay fees for more than 1 month at a time: Delhi govt
4. There was sudden flood, saw my mother drown: MP boat tragedy survivor

New grid penalty rules could dent renewable earnings, trigger tariff concerns

NEW DELHI, (Agency). A regulatory effort to keep the national power grid stable and make green power more reliable may wreck the revenues of producers and potentially lead to tariff hikes, industry executives warned. The regulator has proposed steep penalties for companies which are under- or over-producing power, rattling solar and wind power firms dependent on the vagaries of weather.

In the power sector, a deviation settlement mechanism (DSM) penalizes producers when what they deliver to discoms differs from what they promised. The Central Electricity Regulatory Commission (CERC) has set a tolerance band of 10% for wind power and 5% for solar. Essentially, this means a company producing above or below these thresholds is liable to pay steep penalties. Earlier, these bands were more relaxed - 15% for wind and 10% for solar. On 1 March, the CERC also introduced a new formula to make the regime progressively stricter over the next five years, alarming the industry struggling to sign power purchase agreements (PPAs), even as they face generation cuts and distress sales on exchanges.

According to developers, the new deviation rules are hard to follow, since unlike coal or hydro, wind and solar are unstable sources of power. According to the National Solar Energy Federation of India, the penalties may cause revenue losses of up to 48% in the case of wind power and 11.1% in the case of solar power, compared to 1-3% losses under the old mechanism. On 27 April, the Karnataka High Court stayed the plan till 10 June, after the National Solar Energy Federation of India challenged the CERC order. However, worries remain.

How two months of war in West Asia hit global markets and the economy

NEW DELHI, (Agency). Two months after the US-Israel war with Iran began on February 28, the human and fiscal costs are already substantial. The death toll in Iran alone is estimated at between 3,000 and 6,000, while the US military campaign has cost about $25 billion so far, according to the Pentagon's first official estimate. The economic costs, however, have extended far beyond the battlefield, rippling through oil prices,

stock markets, bond yields and currencies. Here is a look at the war's impact so far on global financial markets and the economy.

Oil spikes as truce hopes fade

Brent crude futures rose almost immediately after the conflict began, climbing from $72.29 a barrel on February 27, a day before the war started, to above $100 by mid-March. Prices cooled in April as ceasefire hopes briefly returned, easing to around $90 by mid-April. That relief has since reversed, with US-Iran peace talks stalling and fears of prolonged disruption around the Strait of Hormuz resurfacing.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9111156060 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक